

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, पुराने नियम की पृष्ठभूमि, व्याख्यान 12, लोग समूह, हरियन, हिती, और हबीरू

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 12 है, लोग समूह, हरियन, हिती और हबीरू।

मैं यह समझाने के लिए बाध्य महसूस कर रहा हूँ कि प्राचीन निकट पूर्व की मेरी आखिरी यात्रा संक्षिप्त थी और हम एक बादल वाले दिन में लगभग 40,000 फीट की ऊंचाई पर विद्वत्तापूर्ण दुनिया में उड़ रहे थे।

लेकिन यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि जैसे-जैसे हम कक्षा में आगे बढ़ते हैं, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्राचीन निकट पूर्वी सामग्रियों के दुरुपयोग से बाइबिल पाठ को नुकसान हो सकता है। और इसलिए, हममें से जो लोग बाइबल में विश्वास करते हैं और बाइबल को प्रमाणित देखना चाहते हैं, हमें यह भी सावधान रहना होगा कि हम सामग्री का उपयोग करते समय अपनी निष्पक्षता न खो दें। सामग्री को अपने आप जीने का अधिकार है और इसका अस्तित्व इसलिए नहीं है कि हम इसे बाइबल के लिए विवादात्मक रूप से उपयोग कर सकें।

लेकिन आदर्श रूप से, हम यह निष्कर्ष निकालने में सक्षम होना चाहते हैं कि पुरातत्व बाइबल का मित्र है। लेकिन आप मुझे जिस बारे में बात करते हुए सुन रहे हैं वह यह है कि सहस्राब्दियों से लेकर सदियों तक बड़े पैमाने पर बाइबल का दुरुपयोग होता रहा है। मुझे ऐसे कहना चाहिए मानो बाइबिल का उद्देश्य यह है कि उस पर विश्वास करने से पहले उसे सिद्ध किया जाना चाहिए। मैं वास्तव में इस बात पर विश्वास करने लगा हूँ कि यदि हम इसे खोजने में सफल हो सकते हैं क्योंकि हमने अभी गिलगमेश महाकाव्य लिखा है, अगर हम आर्क को खोजने और आर्क के अवकाशों में प्रवेश करने की हास्यास्पद स्थिति की कल्पना कर सकते हैं, और वहां यह पता चलता है कि हमारे पास एक है नूह का संदेश अक्कादियान में लिखा गया है, और संदेश में नूह हमसे कहता है, मैंने तुमसे कहा था, यह वास्तव में अविश्वास की समस्या का समाधान नहीं करने वाला है।

और इसके अलावा, यह हमें याद दिलाता है कि पुरातत्व की हमेशा सीमाएँ होती हैं। वर्षों पहले, मुझे एक युवा संकाय सदस्य के रूप में ग्रेस कॉलेज में एड यामूची के व्याख्यानों की एक श्रृंखला सुनने का सौभाग्य मिला था, और मैंने उन्हें एक महान विनम्रता वाले व्यक्ति के रूप में देखा, और भगवान का शुक्र है कि वह आज भी जीवित हैं। लेकिन इस कथन में यामूची द्वारा पुरातत्व की सीमाओं को स्पष्ट रूप से इंगित किया गया था।

एक, पुरातात्विक साक्ष्य का केवल एक अंश ही जमीन में बचा है। दो, संभावित साइटों का केवल एक अंश ही पता लगाया जा सका है। तीन, ज्ञात स्थलों का केवल एक अंश ही उत्खनन किया गया है।

चौथा, किसी भी प्राचीन स्थल का केवल एक अंश ही खोदा गया है। पांचवां, जो कुछ खोदा गया है उसका केवल एक अंश ही पूरी तरह से जांचा और प्रकाशित किया गया है। अंत में, जो जांचा और प्रकाशित किया गया है उसका केवल एक अंश ही बाइबिल अध्ययन में योगदान देता है।

केवल एक अंश. इसलिए, मुझे लगता है कि कभी-कभी पुरातत्व क्या कर सकता है, इसके बारे में हमारा एक प्रकार का रोमांटिक दृष्टिकोण होता है। मुझे याद है कि एक युवा व्यक्ति के रूप में मैंने दूसरे स्कूल के एक युवा उपदेशक को मंच पर चढ़ते हुए सुना था और हमें बताया था कि पुरातत्व ने बाइबिल को सिद्ध कर दिया है।

खैर, जिसने भी पुरातत्व पढ़ा है, हम हंसते हैं क्योंकि पुरातत्व ने बाइबिल को सामान्य विश्वसनीयता प्रदान की है, कम से कम मेरे मूल्यांकन में, इसने शायद ही इसे साबित किया है। और जहां तक मेरा सवाल है, पुरातत्व को बाइबिल की दासी बनने तक सीमित करना, इसे वैसे ही साबित करना पुरातात्विक साक्ष्यों का दुरुपयोग है। इसलिए, जब हम चीजों को उनके मूल संदर्भ से बाहर ले जाते हैं तो यह हमें परेशानी में डाल देता है।

हम जो करने जा रहे हैं वह यहां की स्थिति को थोड़ा सा स्थानांतरित करना है और निर्गमन से लेकर न्यायाधीशों तक की घटनाओं की पृष्ठभूमि को देखना है। मैं यह सिर्फ हमें याद दिलाने के लिए कर रहा हूं कि पुराना बेबीलोनियन काल लगभग 1620 या उसके आसपास समाप्त हो गया था। और यह अगली आधी सहस्राब्दी तक नहीं होगा कि हमारे पास अगला महान साम्राज्य होगा, और यह इन साम्राज्यों में सबसे महान होगा।

इसलिए, लंबे समय तक, हमारे सामने ऐसी स्थिति है जिसमें मेसोपोटामिया के पास वास्तव में कोई महाशक्ति नहीं है। इसलिए, मैं आपको यह याद दिलाने के लिए मानचित्र के लिए जल्दी से मंच तैयार कर रहा हूं कि जब पुराना बेबीलोनियन काल समाप्त हो जाता है, तो बेबीलोन में कैसाइट्स नामक लोगों का निवास होता है। और वे बाबुल पर किसी भी अन्य राजवंश की तुलना में अधिक समय तक शासन करेंगे।

और इसलिए, जब बेबीलोन गिरता है, तो लोगों का एक समूह कासाइट पर्वतीय क्षेत्रों से ज़ाग्रेस पर्वतीय क्षेत्रों की ओर पलायन करता है। उन्हें कैसाइट्स कहा जाता है, और उन्होंने सदियों तक बेबीलोन में शासन किया है। लेकिन उन्होंने हमें बिल्कुल भी नहीं छोड़ा।

हमारे पास वस्तुतः कासाइट में लिखी कोई पट्टिका नहीं है, और हम आसानी से कासाइट काल में बेबीलोन का इतिहास लिखने में सक्षम नहीं हैं। लेकिन वे बेबीलोन में शासन कर रहे थे, भले ही उन्होंने पूरे मेसोपोटामिया बेसिन पर शासन नहीं किया था। लोगों का एक दूसरा समूह है जिसे हरियन्स कहा जाता है, शायद जिसे बाइबिल हुराइट्स कहती है।

और इस क्षेत्र में हरियारिनों का भी बोलबाला है। आप यहां मेसोपोटामिया के सुदूर उत्तरी भाग में उनकी मातृभूमि देख सकते हैं। और वे भी इस क्षेत्र में प्रवास करने वाले लोग हैं।

वे इसके मूल निवासी नहीं हैं। कैसाइट्स की तरह, वे सेमाइट नहीं हैं; वे इंडो-यूरोपियन हैं। और इसलिए, हम उनके बारे में कुछ बातें कहना चाहते हैं।

वे पहली बार 2200 में लिखित अभिलेखों में दिखाई दिए, लेकिन संभवतः वे 24 से 2200 के वर्षों में ऊपरी मेसोपोटामिया में चले गए। पुराने बेबीलोनियन काल तक, वे व्यापक रूप से बिखरे हुए थे। इनका उल्लेख सबसे पहले मारी में एक जन समूह के रूप में किया गया था।

1635 तक, वे दक्षिणी अनातोलिया पर हमला कर रहे थे। 1480 तक, वे किज़ जुवला में शासन कर रहे थे, जो न्यू टेस्टामेंट कप्पाडोसिया के क्षेत्र में है। अश्शूरियों ने इसे के, या शास्त्रीय कैलिसिया कहा।

तो, लगभग 1600 से 1400 के वर्षों तक, ये हरियन मितन्नी के महान साम्राज्य में प्रमुख जातीय शक्ति थे। उनकी राजधानी, वाशुकन्नी, दूसरा प्रमुख शाही शहर है जो अभी तक नहीं मिला है। 1370 में हिती राजा सुपिलुलियुमा द्वारा हमला किए जाने तक मितन्नी विश्व परिदृश्य में वास्तविक शक्ति थी।

इसलिए, जब मैंने आपको मितन्नी का साम्राज्य दिखाने के लिए इसे मानचित्र पर रखा, तो यहां इसे हुराइट्स कहा जाता है। लेकिन मितन्नी के इस साम्राज्य ने कई शताब्दियों तक मेसोपोटामिया क्षेत्र के ऊपरी आधे हिस्से पर शासन किया। और वे तब तक एक प्रमुख खिलाड़ी थे जब तक वे हितियों और मेसोपोटामिया के बीच तनाव में नहीं फंस गए।

मितानियन साम्राज्य की भाषा हरियन थी, हालांकि दिलचस्प बात यह है कि हम उनके नेतृत्व के नामों का अध्ययन करने से जानते हैं कि वे गैर-हरियन थे। हो सकता है कि उनका नेतृत्व ईरान या भारत में से कहीं से आया हो। ऐसा लगता है कि बड़े पैमाने पर घोड़ों की शुरूआत ने उन्हें एक शक्तिशाली सैन्य शक्ति बना दिया।

उनकी पहचान बाइबिल के हुराइट्स से होने की संभावना है जिनका उल्लेख केवल उत्पत्ति और व्यवस्थाविवरण में किया गया है। यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि मेसोपोटामिया में प्रवास करने वाले सभी लोगों में से वे सबसे व्यापक रूप से फैले हुए थे। 1450 में, मितानियन राजा सौस्टार्टर को थुटमोस III ने हरा दिया, जिससे उसका अधिकांश सीरियाई क्षेत्र खो गया।

थुटमोस प्रथम, तुतनखामुन ने उसके साथ एक संधि की और उत्तरी सीरिया मितन्नी को वापस कर दिया गया। सौस्टार्टर और उसके उत्तराधिकारी तुश्रत्ता दोनों ने अपनी बेटियों की शादी फिरौन से कर दी। तो हमारे लिए इसे स्थापित करने का मुद्दा यह है कि बाइबिल के निर्गमन से ठीक पहले की अवधि में, निर्गमन की प्रारंभिक तिथि मानते हुए, तीन महान शक्तियां थीं।

दक्षिण में मिस्र, उत्तरी मेसोपोटामिया में मितन्नी और आधुनिक तुर्की में हिती। 1370 के बाद, इसे घटाकर दो कर दिया गया क्योंकि हितियाँ हरियन साम्राज्य को समाप्त करने में सफल हो गए थे। तो, जैसे ही हम अपने मानचित्र को देखने के लिए एक त्वरित क्षण लेते हैं, यदि हम इस तरह के एक सुविधाजनक मानचित्र को देखते हैं, तो यह क्षेत्र कई रंगों, सैल्मन, बैंगनी और हरे रंग में है, यह क्षेत्र हिती साम्राज्य था।

इस प्रकार उत्तर में इस क्षेत्र में मितानियन साम्राज्य था, और फिर नीचे मिस्र का साम्राज्य था। 1370 के बाद, हम जो कह रहे हैं वह यह है कि यहां जो हुर्रियन साम्राज्य था, वह चला गया। और हमारे पास केवल हिती साम्राज्य है।

मुझे हित्तियों का एक दिलचस्प समूह लगता है। जैसा कि मेरी सभी परिचयात्मक सामग्री में है, मैंने आपको अपने विवेक से चुनने के लिए कुछ पठन सामग्री दी है, यदि आप इसका अनुसरण करना चाहते हैं। यह उतना आधुनिक नहीं है जितना होना चाहिए, लेकिन फिर भी, आप इन ग्रंथसूची संदर्भों का पालन करके अभी भी सीख सकते हैं कि क्या सीखने की जरूरत है।

हित्तियों का अध्ययन करते समय, हमें एक समस्या होती है क्योंकि हमारे पास एक शब्द है, हिती शब्द, लेकिन जैसा कि हमने एमोराइट शब्द में देखा, उस शब्द की कई पहचान हो सकती हैं। तो, पहला शब्द यह है कि हिती शब्द का प्रयोग मध्य एशिया माइनर के मूल निवासियों के लिए किया जाता है, जिन्हें आमतौर पर हिती शब्द की एक अलग वर्तनी या उच्चारण बनाकर पहचाना जाता है। हम इन मूल निवासियों को हट्टियन कहते हैं।

मध्य अनातोलिया के उस क्षेत्र का नाम हट्टिलैंड था। इसलिए, प्राचीन काल से, इसे हट्टिलैंड कहा जाता था, और इसलिए, 2000 ईसा पूर्व से पहले इन लोगों को हट्टियन कहा जाता था। हट्टियन वास्तव में हिती के समान ही है, लेकिन हिती एक अनाकार शब्द है। इसके कई अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं।

तो, हम जो कहने जा रहे हैं वह यह है कि 2000 ईसा पूर्व से पहले मध्य एशिया के निवासी हट्टियन थे, और जहां तक हम जानते हैं, वे प्राचीन काल से मध्य अनातोलिया के उस क्षेत्र में थे। हालाँकि, लगभग 2000 ईसा पूर्व, एक दूसरा जातीय समूह इस क्षेत्र में प्रवास कर गया। वे मध्य एशिया माइनर में इंडो-यूरोपीय लोगों का प्रवासन थे, और हम उन्हें शाही हित्तियों के रूप में संदर्भित करने लगे हैं।

एक या दो पीढ़ी पहले, उन्हें कभी-कभी नेशिट्स कहा जाता था, लेकिन अब लोग उस शब्द का उपयोग नहीं करते हैं। लगभग 1700 से 1190 तक, वे प्राचीन निकट पूर्व में एक प्रमुख राजनीतिक शक्ति थे। वास्तव में, 1370 से शाही हिती साम्राज्य के अंत तक एक समयावधि थी, जब मिस्रियों और हित्तियों ने दुनिया को आपस में बांट लिया था।

यह समूह, जो न्यायाधीशों की पुस्तक के मध्य तक पितृसत्ताओं के समय काल के दौरान शासन कर रहा होगा, इसलिए वह समय काल था जिसे हम इंपीरियल हित्तियों कहते हैं। संक्षेप में, आपको स्पष्ट रूप से बता दूं, लगभग 1200 में, इंपीरियल हिती साम्राज्य का विस्फोट हुआ और उसका अंत हो गया। और जब वह फट गया और सचमुच ढह गया, तब उस क्षेत्र के निवासी, थोड़ा बेहतर मानचित्र खोज रहे थे, उस मध्य एशिया माइनर साम्राज्य के निवासी, उसके अवशेष, यहां दक्षिण की ओर चले गए, और सुदूर उत्तरी सीरिया में, उन्होंने स्थापित किया शहर-राज्यों का एक संघ, जिन्हें इतिहासकार नव-हिती कहकर प्रतिष्ठित करते हैं।

यह तीसरा समूह, नव-हित्तियाँ, दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक, सी पीपल्स मूवमेंट का परिणाम था। इसलिए, ये अवशेष उत्तरी सीरिया में टॉरस पर्वत पर भाग गए, जहां उन्होंने शहर-राज्यों का एक संघ बनाया, जिन्हें नव-हिती शहर-राज्य कहा जाता था। तो, इस तीसरे कार्यकाल के लिए, हिती शब्द के इस तीसरे प्रयोग के लिए हमें एक अनुमानित आयु बताने के लिए, हम उन्हें 1200 से लेकर लगभग 800 तक की तारीखें देंगे।

अब, बाइबिल में, 1200 हमें न्यायाधीशों की पुस्तक के बीच में रखता है और फिर हमें विभाजित राजशाही की अवधि में ले जाता है, जब डेविड और सुलैमान मर चुके हैं, और राज्य दो संस्थाओं में विभाजित हो गया है, उत्तरी साम्राज्य और दक्षिणी साम्राज्य। इसलिए, जब हम इन तीन संभावनाओं को देखते हैं और उनकी तुलना बाइबिल के रिकॉर्ड से करते हैं, तो हम जो कहेंगे वह यह है। मूल हट्टियन इब्राहीम से भी पहले थे, लेकिन फिर दूसरे समूह, इंपीरियल हितियों ने न्यायाधीशों की पुस्तक के मध्य तक पितृसत्तात्मक काल को कवर किया, और फिर नव-हित्तियों ने न्यायाधीशों के मध्य से लेकर विभाजित तक की समय अवधि को कवर किया। राजतंत्र, सम्राट.

अब, जब हम हिती शब्द को देखते हैं तो इन सबके कारण बाइबल में भ्रम पैदा हो जाता है, क्योंकि हमारे पास केवल एक शब्द है। बाइबिल का रिकॉर्ड हट्टियन, इंपीरियल हिती और नव-हिती के बीच अंतर नहीं करता है, न ही यह हिती शब्द के बीच अंतर करता है क्योंकि यह बाद की तारीख में अशूरियों द्वारा उपयोग किया जाने लगा। अशूरियों ने असीरिया के पश्चिम में स्थित किसी भी चीज़ को हट्टीलैंड कहा।

इसलिए, जब हम अपनी बाइबल पढ़ रहे होते हैं तो इसने हमारे लिए एक समस्या पैदा कर दी है। जब मैं हिती शब्द देखता हूँ, तो मैं संभावनाओं के एक भ्रमित करने वाले कालानुक्रमिक समूह से निपट रहा होता हूँ। आइए देखें कि क्या मैं स्पष्ट कर सकता हूँ कि मेरा क्या मतलब है। जब इब्राहीम की प्रिय पत्नी सारा की हेब्रोन क्षेत्र में मृत्यु हो जाती है, तो हममें से कई लोग अपनी अंग्रेजी परंपरा में इसे हेब्रोन कहते हैं।

हेब्रोन को वास्तव में हेवरॉन उच्चारित किया जाता है। और इसलिए, हमारी बाइबिल परंपरा में, बाइबिल में, हेब्रोन यहां दक्षिणी यहूदा में है। जब सारा की मृत्यु हो गई, तो इब्राहीम को एक दफन स्थान की आवश्यकता थी, और इसलिए हेब्रोन क्षेत्र में, इब्राहीम ने एक व्यक्ति से एक दफन स्थान खरीदा, जिसे एप्रोन हिती कहा जाता है।

तो, वह इस दफन स्थल को हिती एप्रोन से खरीदता है, और इसलिए हम अपनी बाइबिल पढ़ रहे हैं, और आपको हितियों का यह अविश्वसनीय रूप से संक्षिप्त परिचय मिल गया है, और इसलिए अब आपको एहसास हुआ कि आपको खुद से सवाल पूछना होगा, ठीक है, यह किस हिती की बात कर रहा है? क्या यह हट्टियंस के बारे में बात कर रहा है? क्या यह शाही हितियों के बारे में बात कर रहा है? क्या यह नव-हित्तियों के बारे में बात कर रहा है? ठीक है, तो मान लीजिए कि सारा की मृत्यु मोटे तौर पर 2000 में हुई, बस एक अनुमानित तारीख बताने के लिए। ठीक है, जैसा कि आप स्पष्ट रूप से देख सकते हैं, यह उन लोगों के प्रवास की मार्कर तिथि है जो शाही हिती बन गए थे। तो इसका मतलब यह है कि जब यह एफ्रॉन को हिती कहता है, तो यह एक प्रश्न चिन्ह बनाता है क्योंकि हमें यकीन नहीं है कि क्या यह एफ्रॉन किसी तरह से मूल हट्टियों में से एक

था, जिसने यहां से हेब्रोन तक अपना रास्ता बनाया या क्या वह इसका हिस्सा है शाही हिती लोगों का प्रवासन जो मध्य एशिया माइनर में चले गए, या बाइबिल का पाठ इसे एक भौगोलिक शब्द के रूप में संदर्भित करता है, और यदि ऐसा है, तो यह इस शब्द के असीरियन उपयोग के प्रभाव में होगा, क्योंकि यदि वह चौथा है यदि संभावना है, तो एफ्रॉन बिल्कुल भी जातीय हिती नहीं था, लेकिन उत्पत्ति पाठ सिर्फ यह कह रहा है कि वह एक पश्चिमी था।

तो, जैसा कि आप देख सकते हैं, जब तक हम इब्राहीम के पास पहुँचते हैं, और पाठ में एफ्रोन को हिती कहा गया है, हम नहीं जानते, हमारे पास उसकी पहचान निर्धारित करने का कोई साधन नहीं है। दूसरे शब्दों में, यदि वह मध्य एशियाई माइनर निवासी है, तो हम खुद से यह सवाल पूछेंगे कि आखिर एक हिती इस सुदूर दक्षिण में, जिसे हम फ़िलिस्तीन कहते हैं, क्या कर रहा है? तो, मुझे लगता है, यह हमारे लिए एक मामूली दिलचस्प परीक्षण मामला है। जब हमारे पास हिती एफ्रोन है, तो वह कौन है? और जैसा कि आप उन परिस्थितियों से देख सकते हैं जिनसे हम निपट रहे हैं; हम वास्तव में उस प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकते।

पुराने नियम में एक और हिती है। वह एफ्रोन से कहीं अधिक प्रसिद्ध है, और उसका नाम ऊरिय्याह है। अब, आप उरिय्याह को बतशेबा के पति के रूप में याद कर सकते हैं।

पाठ हमें बताता है कि ऊरिय्याह दाऊद की सेना में हिती भाड़े का सैनिक था। अब, डेविड लगभग 1000 ईसा पूर्व रहे होंगे। मुझे खेद है, हाँ, 1000 ई.पू.

इसलिए, जैसा कि हम लगभग 1000 ईसा पूर्व में ऊरिय्याह को देखते हैं, हम इसे देख सकते हैं और कह सकते हैं कि डेविड था, शाऊल लगभग 1050 से 1010 तक राजा था। डेविड 1010 से 970 तक राजा रहा होगा। तो, इसका मतलब है कि ऊरिय्याह रहा होगा कोई है जो जीवित था।

चूँकि उरिय्याह 1010 की तुलना में 970 के करीब रहा होगा, शायद हम उरिय्याह को बीच में रख सकते हैं। लेकिन हमारा सवाल है: अगर वह हिती है, तो इसका क्या मतलब है? खैर, इसका मतलब यह है कि वह शायद, यदि निश्चित रूप से नहीं, तो मूल हट्टियन से जुड़ा नहीं है। इसका मतलब यह होगा कि वह संभवतः हिती साम्राज्य के समय से नहीं है।

तो, इसका मतलब यह है कि वह नव-हिती रहा होगा, और यह बताता है कि वह भाड़े का सैनिक क्यों था। क्योंकि, जैसा कि हम हिती शब्द को देखते हैं, यही हुआ होगा। इस क्षेत्र में ऊपर तलहटी में जहां नव-हिती शहर-राज्य थे, ग्रेट सी पीपुल्स मूवमेंट के बाद की दुनिया में, बहुत संभावना है कि नव-हिती उरिय्याह ने सी-पोस्ट पीपल्स वर्ल्ड डील में मदद करने के लिए खुद को भाड़े के सैनिक के रूप में काम पर रखा था। सी पीपल्स की उस विनाशकारी घटना के बाद एक बिल्कुल नई दुनिया के मुद्दे के साथ।

तो, यह हमें एक ऐसी पद्धति प्रदान करता है जिसके बारे में जागरूक होना ज़रूरी है। हमारे पास एक नाम है, लेकिन हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा: उस नाम का उपयोग कैसे किया जाता है? तो, इस विशेष मामले में, हिती, फिर, उरिय्याह के मामले में, लगभग निश्चित रूप से इसका

मतलब यह होगा कि वह एक नव-हिती था। इंपीरियल हिती, जो हिती साम्राज्य की भाषा है, क्यूनिफॉर्म और चित्रलिपि दोनों लिपियों में लिखी गई भाषा थी।

हालाँकि, हिती संग्रह का अधिकांश हिस्सा चित्रलिपि के बजाय क्यूनिफॉर्म लिपि में लिखा गया है। चित्रलिपि का अर्थ मिस्र नहीं है। इसका अर्थ है कलात्मक प्रकार की लिपि जो मिस्र की लिपि जैसी दिखती है, लेकिन वास्तव में हिती भाषा है।

अधिकांश नव-सेमिटिक इंडो-यूरोपीय भाषा, बेडरिक होज़नी नामक चेकोस्लोवाकियाई विद्वान ने हिती साम्राज्य की राजधानी की खुदाई की, जिसे हट्टुशा कहा जाता था। वहाँ, उसने पाया कि साम्राज्य की राजधानी क्या थी और उसे वह तख्ती मिली। मेरा मानना है कि हर पुरातत्ववेत्ता का एक लक्ष्य राजधानी शहर को ढूँढना, महल को ढूँढना और फिर शाही संग्रह को ढूँढना है।

तो, होस्ज़ी भाग्यशाली था कि उसे वह मिल गया और फिर उसने हिती भाषा को समझना शुरू कर दिया क्योंकि यह सेमिटिक नहीं है; यह इंडो-यूरोपीय है। और इसलिए, वहाँ उन्होंने इसे समझना शुरू किया, और इस प्रकार, बेहद महत्वपूर्ण हिती गोलियों को इंडो-यूरोपीय भाषा में डाल दिया गया। कानूनों का मूल अंग्रेजी अनुवाद मूल रूप से नेफेल्ड के अनुवाद, हिती कानूनों में था।

आज, निश्चित रूप से, हमारे पास संस्करण है, ब्रिल द्वारा प्रकाशित और डब्ल्यूडब्ल्यू हेलो द्वारा संपादित तीन-खंड संस्करण, और आप द कॉन्टेक्ट ऑफ नामक हेलो द्वारा संपादित उस खंड में हिती टैबलेट्स को उनके सबसे हालिया रूप में अंग्रेजी अनुवाद में पढ़ सकते हैं। धर्मग्रंथ. तो, किसी भी मामले में, यह जर्मन विद्वान होज़ी पर छोड़ दिया गया था कि इन हिती गोलियों में, विभिन्न कानूनों का एक रूप था जो प्राचीन निकट पूर्व में इन गोलियों में खुद को दोहराया गया था। होस्ज़ी ने इस रूप को नोट किया जो प्राचीन निकट पूर्व संधि पट्टिकाओं के बाकी हिस्सों में पाया गया था, और उन्होंने सुझाव दिया कि इन संधियों में छह प्रमुख संरचनागत विशेषताएं थीं।

उन्होंने पहचाना कि दस्तावेज़ों में एक प्रस्तावना थी। उन्होंने एक पूर्ववर्ती इतिहास की पहचान की, यानी, दो शक्तियों के बीच एक संधि, इसलिए उन्होंने माना कि दोनों के दृष्टिकोण से सूचीबद्ध एक पूर्ववर्ती इतिहास था। तीसरा, दोनों संधि प्रतिभागियों के भविष्य के संबंधों के संबंध में सारगर्भित बयान था।

चौथा, विशिष्ट शर्तें थीं; हम उन्हें रिश्ते को नियंत्रित करने वाले कानून कहेंगे। पांचवां, चूंकि संधि एक कानूनी और आधिकारिक दस्तावेज़ थी, इसलिए संधि के गवाह के रूप में देवताओं का आह्वान किया गया था। और फिर अंत में, शाप और आशीर्वाद थे, यदि दो भागीदार संधि के प्रति वफादार थे तो आशीर्वाद, और यदि उनमें से एक नहीं था तो शाप।

खैर, इस अवलोकन से यह मान्यता मिली कि वही सामान्य अवधारणा शासित होती है, जैसे कि व्यवस्थाविवरण की पुस्तक। उपयोगी कार्यों में से एक जर्मन विद्वान क्लॉस बालज़र का है, जिन्होंने मूल रूप से इस दस्तावेज़ को जर्मन में प्रकाशित किया था, लेकिन अब यह अंग्रेजी में उपलब्ध है, हालाँकि यह प्रिंट से बाहर है, जैसा कि मैंने आखिरी बार सुना था। वाचा सूत्रीकरण.

इसमें, हम देख सकते हैं कि बाइबिल में वही मोटा प्रारूप दिखाई देता है: प्रस्तावना, ऐतिहासिक प्रस्तावना, मूल घोषणा, अधिक विस्तृत शर्तें, और जागीरदार द्वारा औपचारिक समर्थन। दूसरे शब्दों में, जब हम इसे जोशुआ 24 पर लागू करते हैं, तो वही कच्ची सूची, जिसे हम संधि प्रारूप कहेंगे, पुराने नियम में दिखाई देती है। आप इसे यहोशू अध्याय 24 में देख सकते हैं, और आप इसे व्यवस्थाविवरण की पुस्तक में देख सकते हैं।

वास्तव में, यही प्रारूप व्यवस्थाविवरण पर लागू किया गया है। वेस्टमिंस्टर थियोलॉजिकल सेमिनरी के महान प्रेस्बिटेरियन विद्वान ने ड्यूटेरोनॉमी की पुस्तक में इसी संधि प्रारूप को मान्यता दी और एक अद्भुत पुस्तक लिखी, यह अब, निश्चित रूप से, काफी पुरानी हो चुकी है, जिसे महान राजा की संधि कहा जाता है। इस पुस्तक में, क्लाइन ने दिखाया कि वही संधि प्रारूप, जिसे हिती संधियों में मान्यता दी गई थी, ड्यूटेरोनॉमी की पुस्तक के लिखे जाने के तरीके में भी फिट बैठता है।

अब हम दर्शकों को यह आभास नहीं देना चाहते कि यहां नकल हो रही है। हुआ यह है कि प्राचीन विश्व में संधि करने के एक सामान्य तरीके का प्रसार हुआ था। और वह प्रसार वस्तुतः हर संस्कृति में पाया गया।

इसलिए, जहाँ भी संधियाँ हुईं, उन्होंने इस मोटे सामान्य प्रारूप का पालन किया। और इसलिए एक चीज जो हम देख सकते हैं वह यह है कि प्राचीन निकट पूर्वी लोगों ने एक सामान्य संधि प्रारूप का पालन किया था जो हमें बता रहा था कि दुनिया एक नए स्वर्ण युग में प्रवेश कर रही थी, जिसमें फर्टाइल क्रीसेंट सहित सभी राजनयिक संबंधों का युग शामिल था। मिस्र के साथ संधि संबंध। इसलिए, एक पुस्तक के रूप में व्यवस्थाविवरण को एक दस्तावेज़ के रूप में समझा जा सकता है जिसकी सामान्य रूपरेखा समान संधि प्रारूप का अनुसरण करती है।

इस मामले में, व्यवस्थाविवरण में, संधि महान राजा, येपेथ और इस्राएलियों के बीच है। मूसा वह व्यक्ति होता जो आधिकारिक तौर पर येपेथ के साथ संधि कर रहा था। तो, व्यवस्थाविवरण, आम तौर पर कहें तो, इसी प्रारूप का अनुसरण करता प्रतीत होता है।

अब, यदि हितियों का शाही साम्राज्य 1200 में समाप्त हो गया, और मूसा ने अपना दस्तावेज़ 1400 में लिखा, तो कुछ लोगों ने उन तारीखों को यह साबित करने के लिए एक तर्क के रूप में उपयोग करने की कोशिश की है कि मूसा आलोचनात्मक सिद्धांत के बजाय जल्दी लिख रहे थे, जो कि वह देर से लिख रहा है, यदि वास्तव में उसने लिखा भी है। संभवतः हमारे लिए बेहतर होगा कि हम उन तारीखों का उपयोग करके मूसा के लिए शुरुआती तारीख को साबित करने की कोशिश न करें, क्योंकि, वास्तव में, हमने आपको जो संधि प्रारूप दिखाया है वह बिल्कुल कालातीत है। और इसलिए, उन घटनाओं के आधार पर मूसा की प्रारंभिक तिथि पर बहस करने का प्रयास करना उपयोगी नहीं है।

परन्तु हम कह सकते हैं कि मूसा इस्राएल का राजा था जिसने यहोवा के साथ संधि की थी। और इसलिए, हिती दस्तावेज़ हमें एक अंतरराष्ट्रीय संधि पर जल्द से जल्द शिखर तक पहुंचाने में बहुत

मददगार रहे हैं। यदि मैं किसी अन्य लोगों के समूह में स्थानांतरित हो सकता हूं, तो मैं आपके साथ हबीरू के बारे में बात करना चाहूंगा।

कक्षा में इसे पढ़ाने से मुझे पता चला कि मेरे छात्रों के लिए इसमें महारत हासिल करना सबसे कठिन विषय क्षेत्रों में से एक है। उनमें से कुछ को तो हिब्रू भाषा भी आती थी। और, निःसंदेह, जब उनके पास हिब्रू भाषा होती है, तो वे इसे उन छात्रों की तुलना में बहुत जल्दी सीख लेते हैं जिन्होंने हिब्रू भाषा नहीं सीखी है।

तो शायद मैं इस अवसर का उपयोग दर्शकों के साथ साझा करने के लिए कर सकता हूं और कह सकता हूं कि बाइबिल का कोई कारण नहीं है कि आप हिब्रू का अध्ययन क्यों नहीं कर सकते। वास्तव में, इसे और अधिक सकारात्मक शब्दों में कहें तो, आज की दुनिया में, दोस्तों, आप ज़ोंडरवन जैसी जगहों पर जा सकते हैं, और आप ऑनलाइन सामग्री खरीद सकते हैं जो आपको हिब्रू व्याकरण का उपयोग करने में सक्षम बनाती है, और आप सीधे अपने तरीके से हिब्रू का अध्ययन कर सकते हैं बैठक कक्ष। और इसलिए, या जहां भी आपका कंप्यूटर है।

इसलिए, मैं आपको ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। मैं आपको अध्ययन करने में सक्षम होने, हिब्रू और ग्रीक का उपयोग करके बाइबिल का अध्ययन करने में सक्षम होने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। आप जानते हैं, जब मार्टिन लूथर जीवित थे, उन्होंने अपनी दुनिया को सिखाया कि मूल भाषाओं में बाइबल का अध्ययन करने का कोई विकल्प नहीं है।

और मुझे लगता है कि यह आज भी सच है। इसलिए, जैसे ही हम हबीरू की समस्या के बारे में बात करने के लिए तैयार हो रहे हैं, मैं आपको सुझाव देना चाहूंगा कि ऐसा कोई कारण नहीं है कि आप में से कई लोग, अपने कंप्यूटर का उपयोग करके, हिब्रू का अध्ययन करने में सक्षम बनाने के लिए उपलब्ध असंख्य सामग्रियों का उपयोग न कर सकें। अपने दम पर। खैर, इब्रानियों को इब्रानी क्यों कहा जाता है? उत्पत्ति की पुस्तक के अध्याय 14 में, इब्राहीम को हिब्रू कहा गया है।

यह पहली बार है जब हमने इस शब्द का प्रयोग किया है। अध्याय 14, श्लोक 13 में, तब एक भगोड़े ने आकर इब्राहीम से कहा, इब्राहीम अब्राम। खैर, उत्पत्ति 14:13 में, हम खुद से सवाल पूछते हैं, अब्राम को हिब्रू क्यों कहा गया? वहां इसका क्या मतलब है? ठीक है, आइए मैं आपके लिए बोर्ड पर लिख दूँ कि हम यह कैसे करेंगे।

अब, आप इस पर ध्यान देंगे। आप सभी जानते हैं कि पुराना नियम इससे भरा हुआ है। कनानी, परजीवी, हिती, इस्राएली। खैर, हिब्रू में, इनमें से कोई भी वस्तु मौजूद नहीं है।

शायद यह हमें सेप्टुआजेंट से आता है, लेकिन वे सभी लोग जिन्हें हम इट्स कहते हैं, वे सभी लोग हैं जो सिगला। पर समाप्त होते हैं। यह वास्तव में कनानी है, कनानी नहीं। यह वास्तव में इज़राइली नहीं है, और यह इज़राइली है। तो, या बनी इस्राएल, इस्राएल की सन्तान।

इब्रानियों को वास्तव में इवरी कहा जाता है। तो, हम अपने आप से यह प्रश्न पूछने जा रहे हैं कि अध्याय 14, श्लोक 13 में इब्राहीम को हिब्रू क्यों कहा गया है? अनेक व्याख्याएँ होती हैं—हमेशा अनेक व्याख्याएँ होती हैं।

मुझे यह सिर्फ हास्यप्रद लगता है। जब मैं 20 साल का था तो हम कहते थे, अब इसके लिए दो राय हैं। आज, हमें जो भी नई जानकारी मिली है, उसके बाद हम आपसे यही कहेंगे कि वास्तव में इसके लिए 10 विचार हैं।

जैसे जानकारी ढूँढना. जितनी अधिक जानकारी हमें मिलती है, हमारे पास अधिक संभावित स्पष्टीकरण होते हैं। तो, जैसा कि हम इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास करते हैं, इब्राहीम को हिब्रू क्यों कहा जाता है? विभिन्न व्याख्याएँ हैं।

एक अपेक्षाकृत लोकप्रिय बात यह है कि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता है क्योंकि उसके पूर्वज का नाम एबर था। अध्याय 10, श्लोक 24 में, हिब्रू में यह शब्द अलग-अलग स्वरों के साथ इस तरह दिखाई देता है, एबर, लेकिन यह एक ही शब्द है। यहां, इसे अलग-अलग स्वरों के साथ थोड़ा अलग ढंग से लिखा गया है, लेकिन हिब्रू में यह एक ही मूल व्यंजन है।

दूसरे शब्दों में, वही मूल व्यंजन जो ये साझा करते हैं वह यह रफ ब्रीदिंग मार्क, बी और आर है। ये तीन व्यंजन हैं जो इन दोनों में समान हैं। एवरी और एबर तीन व्यंजन साझा करते हैं। उन्हें स्वरों के साथ अलग-अलग तरीके से लिखा जाता है, लेकिन उनमें तीन व्यंजन होते हैं।

ठीक है? तो, यदि आप अपनी अंग्रेजी अध्ययन बाइबिल पर जाएं, तो वहां अब 20 या 30 अलग-अलग अंग्रेजी अध्ययन बाइबिल हैं? इब्राहीम को हिब्रू क्यों कहा जाता है, इसकी अधिक सामान्य व्याख्याओं में से एक यह है कि वह एबर का वंशज है। एबर, जैसा कि मैंने अपने नोट्स में उल्लेख किया है, शेलक का पुत्र, अर्पक्षद का पुत्र, शेम का पुत्र, पेलेग का पिता, रेउ का दादा, सेरुग का परदादा था, जिससे नाहोर पैदा हुआ, जो अब्राहम का दादा था। खैर, मुझे नहीं पता, लेकिन मैं उस पैराग्राफ में खुद से सवाल पूछूंगा।

इब्राहीम के पूर्वजों के कई पीढ़ियों से चले आ रहे उस पैराग्राफ में, मैंने उसे पढ़ा, और मैं खुद से सवाल पूछता हूँ, क्या एबर ने कुछ भी किया जो इतना महत्वपूर्ण था कि इब्राहीम को बुलाया जाना चाहिए, यह सचमुच, यह सचमुच एबेराइट है? इब्राहीम को एबेराइट क्यों कहा जाएगा? क्योंकि यदि आप उत्पत्ति 14 पर वापस जाते हैं और यह भ्रमित करने लगता है, तो आप बस मुझे अपने प्रश्नों से रोक देते हैं। खैर, एक मिनट रुकें, हम ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि यह ऑनलाइन है। काश आप मुझे रोक पाते ताकि जहां आवश्यक हो मैं इसे दोबारा समझा सकूँ क्योंकि यह वास्तव में भ्रमित करने वाला है।

मूल हिब्रू भाषा में, हमारे पास यहां जो है वह निश्चित लेख है। द. इसलिए, यदि अब्राहम एबेराइट है, तो हमें खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि नामों की उस सूची में एबर ने ऐसा क्या किया जो इतना महत्वपूर्ण था कि अब्राहम को एबेराइट कहा जाएगा? मुझे उम्मीद थी कि उसे शेमाइट कहा जाएगा क्योंकि शेम एबर से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

या पेलेग भी. लेकिन हम उस पर गौर करते हैं और खुद से सवाल पूछते हैं, एबर कौन है कि उसे एबेराइट कहा जाना चाहिए? तो, इसका उत्तर देने में मेरा पहला प्रश्न यह होगा कि एबर कौन है?

और दूसरी बात, निश्चित लेख क्यों? अब, हिब्रू और अंग्रेजी में बहुत सी बातें समान नहीं हैं। लेकिन दोनों भाषाओं में एक बहुत ही मामूली सी बात समान है।

आप उचित नामों पर निश्चित लेख नहीं रखते। क्योंकि वे स्वतः ही निश्चित हैं। मेरी पत्नी पेग है।

मैं "पेग" नहीं कहता क्योंकि वह पेग है। यह स्वतः ही निश्चित है। इसलिए, हिब्रू में, आप वस्तुतः कभी भी किसी उचित संज्ञा पर निश्चित लेख नहीं डालते हैं।

चाहे वह किसी देश का नाम हो या कोई व्यक्तिगत नाम हो, आप वस्तुतः कभी भी व्यक्तिवाचक संज्ञा पर निश्चित लेख नहीं डालते। अब, हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति है, जिसे उसके चुनाव से पहले डोनाल्ड कहा जाता था। लेकिन जहां तक मुझे पता है, वह एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिनके बारे में मैंने अपने जीवनकाल में सुना है, जिनके नाम के आगे निश्चित लेख लगा हुआ था।

तो, हम खुद से दूसरा सवाल पूछते हैं। यदि हिब्रू एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है, तो क्या उसके सामने निश्चित उपपद है? यह वस्तुतः अभूतपूर्व है। तो, इब्राहीम को हिब्रू क्यों कहा जाता है यह समझाने के पूर्वज के रूप में एबर को समझाने में मेरे सामने ये दो समस्याएं हैं।

तो, उम्मीद है, आप इसे तब प्राप्त कर सकते हैं। यह अभी भी बहुत बुरा नहीं है। इसके साथ एक समस्या यह है कि उसे एबेराइट क्यों कहा जाता है? क्योंकि एबर कौन था और उसने ऐसा क्या किया जिससे इब्राहीम एबेराइट कहलाया? और दो, इसमें निश्चित लेख क्यों है? इसलिए, मुझे लगता है कि ये अब्राहम को हिब्रू क्यों कहा जाता है, इसकी पहली व्याख्या के साथ समस्याएं हैं, हालांकि अध्ययन बाइबिल में शायद यह सामान्य व्याख्या है कि अब्राहम को एबर का वंशज कहा जाता है।

इसलिए, यदि मैं कर सकता हूं, तो मैं इन्हें मिटा दूंगा और इसके लिए दूसरा स्पष्टीकरण देखूंगा। बहुत प्रसिद्ध विद्वान विलियम अलब्राइट ने डेढ़ पीढ़ी पहले प्रस्तावित किया था कि अब्राहम को हिब्रू कहा जाता है क्योंकि हिब्रू शब्द अक्काडियन मूल अर्थ से संबंधित है जिसका अनुवाद गधा चालक था। दूसरे शब्दों में, मैं उस युग में बड़ा हुआ, जब हॉलीवुड ने नाटकों की तुलना में पश्चिमी फिल्मों का अधिक उत्पादन किया, अब्राहम खच्चर की खाल निकालने वाला था।

अब, आज, जब भी मैं अपनी कक्षा में ऐसा कहता हूं, मेरे छात्र मुझे पूरी तरह से खाली भाव से देखते हैं क्योंकि उन्होंने म्यूल स्किनर शब्द कभी नहीं सुना है। लेकिन जब मैं बच्चा था, खच्चर की खाल उतारने वाले का मतलब था कि आप जानते हैं, कि आप चीजों को खींचने के लिए गधों का इस्तेमाल करते थे। आप एक गधा चालक थे।

खैर, यह एक दिलचस्प प्रस्ताव था, लेकिन जाहिर तौर पर अलब्राइट की मृत्यु किसी के द्वारा उनके सुझाव को अपनाए बिना ही हो गई। मैंने स्वयं कहीं भी प्रिंट में नहीं पढ़ा है कि अलब्राइट ने कहाँ गोद लिया था, क्षमा करें, जहाँ किसी ने अलब्राइट के प्रस्ताव को अपनाया था, लेकिन वह जो सुझाव दे रहा था कि इब्राहीम को गधा चालक कहा जाता था क्योंकि जब इब्राहीम पश्चिम आया था, तो उसके पास बहुत बड़ी संख्या में लोग थे और वह ऐसा करेगा इसलिए, उनके पास बहुत बड़ी संख्या में गधे थे और इसलिए उनका यह नाम रखा गया क्योंकि ये गधे, जो शायद बड़े नहीं

होते तो सैकड़ों की संख्या में होते, उनके आंदोलन की विशेषता थे। लेकिन वास्तव में हमें यह बताने के लिए कोई सबूत नहीं है कि यह इब्राहीम क्यों का सही स्पष्टीकरण है, क्योंकि आखिरकार, अगर उसे गधा चालक कहा जाता था, तो फिर इस्राएलियों की सभी बाद की पीढ़ियों को इब्री क्यों कहा जाता था? यदि यह इब्राहीम द्वारा बड़ी संख्या में गधों को रोजगार देने से संबंधित था तो यह नाम क्यों बना रहा? तीसरा दृष्टिकोण क्रिया के अर्थ से लिया गया है, और मुझे लगता है कि यह दृष्टिकोण सबसे अच्छा उत्तर है।

हिब्रू में, सैद्धांतिक रूप से, हिब्रू में सभी मूल शब्दों में तीन व्यंजन होते हैं। यदि उनमें तीन से अधिक व्यंजन हैं या तीन से कम व्यंजन हैं, तो वे संभवतः ऋण शब्द हैं। हिब्रू गणितीय रूप से एक ऐसी भाषा है जिसमें सभी शब्दों, जब तक कि वे ऋण शब्द न हों, में तीन व्यंजन होते हैं।

तो, ये तीन व्यंजन, याद रखें कि यह अल्पविराम की तरह दिखता है, लेकिन इसे हम एक कठिन श्वास चिह्न कहते हैं, यह एक ch है। तो, हिब्रू में ये तीन व्यंजन एक मूल से आते हैं जिसका अर्थ है पार करना, पार करना। और इसलिए इब्रानियों को इब्रानी क्यों कहा जाने लगा, इसके स्पष्टीकरण के रूप में मैं जो सुझाऊंगा वह यह है कि इब्राहीम का विश्वास का महान कार्य पार करना था।

इसलिए, जब हम इब्राहीम को देखते हैं, इब्राहीम उर छोड़ रहा है, तो मुझे लगता है कि उर यहां उत्तरी मेसोपोटामिया में, कैरन के करीब था, इसलिए इब्राहीम का भगवान से महान आदेश जिसके लिए उसे बचाने वाला विश्वास मिला, वह यह था कि उसके पास विश्वास करने के लिए विश्वास था भगवान, अपनी मातृभूमि को छोड़ दें, और सचमुच पार कर जाएं। उसने सैकड़ों-सैकड़ों मील की दूरी पार की, लेकिन उसने कई नदियों को भी पार किया। यहाँ उसने बालाक नदी को पार किया, और यहाँ उसने परात नदी को पार किया।

मैं प्रस्तावित करूंगा कि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाए, क्योंकि वह वस्तुतः अपनी मातृभूमि को पार करके उस भूमि पर आया था जो भगवान ने उसे दी थी। इससे हमें यह भी पता चलता है कि हमारे पास निश्चित लेख क्यों होगा क्योंकि हिब्रू में निश्चित लेख को एच के साथ लिखा जाएगा, और इसलिए इसे यहां इवरी लिखा गया है, अब यह हा-इवरी है, और हा-इवरी वह जगह है जहां मुझे लगता है कि हिब्रू शब्द है से आया। इसलिए, जिन इब्रानियों का मैं आपके सामने प्रस्ताव रख रहा हूँ उन्हें इब्रानी कहा जाता है क्योंकि इब्राहीम के विश्वास का महान कार्य ईश्वर की आज्ञाकारिता में अपनी मातृभूमि से पार करना था।

इस प्रकार, उत्पत्ति के अध्याय 14, श्लोक 13 में, संक्षेप में, इब्राहीम को वह कहा जाता है जो पार हो गया। तो, मेरे सोचने के तरीके में, यही सही व्याख्या है। अब मुझे आपको यह बताने में जल्दी होगी कि मैं इस पर बहुमत के दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व कर भी सकता हूँ और नहीं भी।

मेरे कुछ करीबी दोस्त इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करते। तो इसका मतलब यह है कि वास्तव में आपके पास चुनने के लिए दो विकल्प हैं। एक को उसने एब्राइट कहा है और दो को उसने पार करने वाला कहा है।

तो, आपकी अपनी पसंद हो सकती है, लेकिन जहां तक मुझे पता है, इब्रानियों को इब्रानी क्यों कहा जाने लगा, इस बारे में ये आपकी दो पसंद हैं। अब, शायद आपको वह मिल गया। शायद यह बहुत भ्रामक नहीं है, और शायद हम कर सकते हैं, हममें से अधिकांश अभी भी समुदाय की भावना महसूस करते हैं।

हम एक दूसरे को समझते हैं. हम एक साथ रहने के इस अवसर के लिए खुश हैं, लेकिन अब मैं चर्चा जारी रखूंगा और ईसाई धर्म की जिस परंपरा से मैं आया हूं, उसमें मैं उपदेश देना छोड़ दूंगा और हस्तक्षेप करने जा रहा हूं। क्योंकि यह तब और अधिक जटिल हो जाता है जब हमें पता चलता है कि प्राचीन दुनिया में हबीरू नामक एक घटना थी।

मैंने यहां अपनी चर्चा हबीरू शब्द से शुरू की। इसलिए, जब हम अपनी चर्चा को देखते हैं तो हम जो कहने जा रहे हैं वह यह है कि हमारे पास दो शब्द हैं जो काफी हद तक एक जैसे दिखते हैं। ये दो शब्द हैं हबीरू और हिब्रू।

और इसलिए, हम जो सवाल पूछ रहे हैं वह यह है कि क्या इन दोनों चीजों का मतलब एक ही है या उनका मतलब अलग-अलग है? यही वह प्रश्न है जो हम पूछने जा रहे हैं। तो, जैसा कि हम इसे देखते हैं हम आपको एक लोकप्रिय सुझाव बताएंगे जो कुछ इंजील विद्वानों का सुझाव है कि इन दो शब्दों का मतलब एक ही है। हबीरू और हिब्रू एक ही चीज़ हैं।

फिर, मेरे ऐसे मित्र हैं जो इस बात पर कायम हैं। तो, इस दृष्टिकोण का तर्क है कि इब्राहीम को हिब्रू कहा जाता था क्योंकि वह वास्तव में एक हबीरू था। तो पृथ्वी पर हबीरू कौन हैं? मुझे यकीन नहीं है कि हम इस टेप के लिए निर्धारित समय में इसका उत्तर पा सकेंगे, इसलिए यह चर्चा अगले टेप में शामिल हो सकती है।

मेरा कैमरामैन मुझे बताएगा कि मुझे इसे कब पैक करना है। हबीरू एक शब्द है, यह एक अक्काडियन शब्द है, किसी राष्ट्र के लिए नहीं बल्कि एक राजनीतिक घटना, एक भूराजनीतिक घटना के लिए। सही? अब, इंजीलवादी इस शब्द का उपयोग क्यों करना चाहेंगे? ठीक है, ऐसा इसलिए है क्योंकि, मोटे तौर पर उस समय जब यहोशू इस्राएलियों को देश में ला रहा था, हमारे पास मिस्र में पाए गए पत्र हैं, हमारे पास मिस्र में पाए गए पत्र हैं जिनमें फिलिस्तीन के विभिन्न राज्य मिस्र के राजा को पत्र लिख रहे थे और कह रहे थे कि हबीरू हैं आ रहा हूँ, सेना भेजो।

ठीक है? आइए इसे ऐसे ही कहें। तो, लगभग 1370 से अगले 20 वर्षों तक, यहोशू भूमि पर विजय प्राप्त करने के लिए इज़राइल के सैन्य बलों का नेतृत्व कर रहा है, और जब वह ऐसा कर रहा है, तो वास्तव में, हमारे पास वास्तव में यरूशलेम का राजा है, यह तब इसे यबूस कहा जाता था, लेकिन हमारे यहां यरूशलेम के राजा ने मिस्र के फिरौन को पत्र लिखकर कहा है कि हबीरू आ रहे हैं, सेना भेजो। इसलिए इंजील विद्वानों को यह तर्क देना आकर्षक लगा कि इसलिए, हबीरू और हिब्रू एक ही चीज़ हैं और जो हो रहा है वह यह है कि हिब्रू देश में आ रहे हैं, और हमारे पास अब यह साबित करने के लिए पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि हिब्रू देश में आ रहे हैं। भूमि क्योंकि निवासी राजा हबीरू से मदद मांग रहे हैं।

ठीक है। इसलिए, मुझे आशा है कि मैंने इसे किसी तरह स्पष्ट कर दिया है। यदि मैंने ऐसा नहीं किया है, तो मुझे नहीं पता कि समस्या के बारे में क्या करना चाहिए क्योंकि हम केवल एक व्याख्यान दे रहे हैं, कोई बातचीत नहीं।

लेकिन हम चर्चा को रोकने जा रहे हैं क्योंकि खुश चेहरों को चित्रित करने से पहले हमें जो करने की ज़रूरत है वह प्रश्न चिह्न को गले लगाना है। तो, हम जो करने जा रहे हैं वह अक्कादियन शब्द हबीरू पर एक नज़र डालना है और यह देखना है कि अक्कादियन में इस शब्द का क्या अर्थ है, इससे पहले कि हम खुद को यह निष्कर्ष निकालने की अनुमति दें कि हबीरू और हिब्रू एक ही चीज़ हैं। तो, यह मुझे हमारी चर्चा को रोकने के लिए एक अच्छी जगह लगती है, और फिर जब हम वापस आते हैं, तो हम जो करने जा रहे हैं वह हबीरू के अक्कादियन अर्थ को देखना है, और फिर जब हम इसे समझते हैं, तो हम अपना निष्कर्ष निकाल सकते हैं इस बारे में कि क्या हमारे पास विजय का प्रमाण है या हमारे पास विजय का यह प्रमाण नहीं है।

उम्मीद है कि हमारी चर्चा को विराम देने के लिए यह एक अच्छी जगह है।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 12 है, लोग समूह, हुरियन, हिती और हबीरू।